



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 87] नई दिल्ली, सोनवार, मार्च 3, 1975/काल्गुन 12, 1896  
No. 87] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 3, 1975/PHALGUNA 12, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

### NOTIFICATIONS

*New Delhi, the 3rd March 1975*

**S.O. 123(E)/ESS.COMM/Iron & Steel.**—In exercise of the powers conferred by Clause 17B of the Iron and Steel (Control) Order, 1956, the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Heavy Engineering No. S.O. 1567/ESS.COMM/Iron & Steel, dated 7th April, 1971:—

In the said notification, in clause 2,—

A. in sub-clause (a) for paragraph (13), the following paragraph shall be substituted, namely:—

“(13). (A) The Committee shall regulate the distribution and sale, on a uniform basis for all producers, of the following categories of steel, namely:—

- (i) Pig Iron.
- (ii) Billets and semis other than those of forging quality.
- (iii) Bars and rods including wire rods other than those of forging quality.
- (iv) Structural sections.
- (v) Electrical Steel Sheets.
- (vi) GP/GC sheets including coils.

- (vii) Rails—with light and heavy rails.
- (viii) CR Sheets and Coils.
- (ix) HR Sheets and Coils.
- (x) Defectives and cuttings of all categories.
- (xi) Re-rollable and other scrap.

and for this purpose the Committee may prescribe uniform procedures and systems for the distribution and sale of the aforesaid categories for adoption by all the steel plants and review the same from time to time.

(B.) In laying down the detailed procedures and systems under sub-paragraph (A) the Committee shall ensure that the demands of Defence, Power and Irrigation, Exports of Engineering goods, Steel and Coal Sectors, Atomic Energy Organisation, Railways, and other priority sectors are met in full and only the balance quantities available are distributed to other consumers.”;

B. in sub-clause (b), under the heading “Functions”, for paragraph (1) the following paragraph shall be substituted, namely:—

“(1) The Committee shall discharge its functions in relation to the following categories of steel produced by the main steel plants, namely:—

- (i) Plates including Coils.
- (ii) Forging Quality steels of all categories.”.

2. Nothing herein contained shall affect decisions, orders and allocations made by the Steel Priority Committee before the date of this notification with regard to any of the categories of steel specified in paragraph (1) under the heading “Functions” in sub-clause (b) of clause 2, as it existed before the date of this notification’.

[No. F. SC(III)-8(38)/73]

### इस्पात और खान मंत्रालय

#### (इस्पात विभाग)

#### अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 3 मार्च 1975

का० आ० 123 (अ)/आ० व०/लोहा और इस्पात.—केन्द्रीय सरकार, लोहा और इस्पात (नियंत्रण) आदेश, 1956 के खण्ड 17ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और भारी इंजीनियरी मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1567 आ० व०/लोहा और इस्पात, तारीख 7 अप्रैल, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में, खण्ड 2 में—

क. उप-खण्ड (क) पैरा 13 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

(13). (क) समिति सभी उत्पादकों के लिए निम्नलिखित प्रवर्ग के इस्पात का वितरण और विक्रय समान आधार पर वित्तियमित करेगी, अर्थात् :—

- (1) कच्चा लोहा ।
- (2) ठलाई गुण से भिन्न बिलेट और सेमिस ।
- (3) सरिया और छड़ जिनके अन्तर्गत ठलाई गुण से भिन्न तार छड़ें भी हैं ।
- (4) संरचनात्मक सेक्शन ।
- (5) वैद्युत इस्पात चादरें ।
- (6) जी० पी०/जी० सी० चादरें जिनके अन्तर्गत क्वायल भी हैं ।

- (7) रेलें—हल्की और भारी रेलों सहित ।
- (8) सी आर चादरें और क्वायल ।
- (9) एच आर चादरें और क्वायल ।
- (10) सभी प्रवर्गों के उत्सर्जन और कतरन ।
- (11) पुनः ढलाई योग्य और अन्य टुकड़े ।

और इस प्रयोजन के लिए समिति, उपरोक्त प्रवर्गों के वितरण और विक्रय को सभी इस्पात संघों द्वारा अपनाए जाने के हेतु समान प्रक्रिया और पद्धति विहित करेगी और समय-समय पर उसका पुनर्विलोकन कर सकेगी ।

(ख) उप-पैरा (क) के अधीन विस्तृत प्रक्रियाएँ और पद्धतियाँ अधिकथित करते समय, समिति यह सुनिश्चित कर लेगी कि रक्षा, विद्युत् और सिंचाई, इंजीनियरी मालों के निर्यातों, इस्पात और कोयला सेक्टर, ऊर्जा संगठन, रेल तथा अन्य प्राथमिकता सेक्टरों की मांग पूर्णतः पूरी की जा रही है और उपलब्ध शेष मात्रा ही अन्य उपभोक्ताओं को वितरित की जा रही है ।”;

ख. उपखण्ड (ख) में “कृत्य” शीर्षक के अधीन, पैरा (1) के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) मुख्य इस्पात संघों द्वारा उत्पादित इस्पात के निम्नलिखित प्रवर्गों की बाबत समिति अपने कृत्यों का निर्वहन करेगी, अर्थात् :—

- (1) प्लेटें, जिनके अन्तर्गत क्वायल भी हैं ।
- (2) सभी प्रकार के ढलाई गुण वाले इस्पात ”
- (2) इसमें अन्तर्लिखित कोई बात, खण्ड 2 के उपखण्ड (ख) में “कृत्य” शीर्षक के अधीन पैरा (1) में, जैसा कि वह इस अधिमूचना की तारीख से पूर्व था, विनिर्दिष्ट इस्पात के किसी प्रवर्ग के सम्बन्ध में, इस्पात प्राथमिकता समिति द्वारा इस अधिमूचना की तारीख से पूर्व किए गए विनिश्चयों, आदेशों और आकंटनों को, प्रभावित नहीं करेगी ।”

[सं० फा० एम० सी० (3)–8(38)/73]

**S.O. 124(E)/ESS.COMM/Iron & Steel.**—In exercise of the powers conferred by Clause 17A of the Iron and Steel (Control) Order 1956, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Heavy Engineering No. S.O. 1578/Ess.Comm/Iron & Steel dated 14th April, 1971 except in regard to the supply of billets and production and despatch of re-rolled products pursuant to the decisions taken by the Billet Re-rollers Committee prior to the date of this notification.

[No. P. SC(III)-8(38)/73]

फा० आ० 124 (अ)/आ० ख०/लोहा और इस्पात.—केन्द्रीय सरकार, लोहा और इस्पात (नियंत्रण/आदेश, 1956 के खण्ड 17क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और भारी इंजीनियरी मंत्रालय की अधिमूचना सं० फा० आ० 1578/आ० ख०/लोहा और इस्पात, तारीख 14 अप्रैल, 1971 को, इस अधिमूचना की तारीख से पूर्व बिलेट पुनर्वेलन समिति के विनिश्चयों के अनुसरण में बिलेट के प्रदाय और पुनर्वेलन उत्पादों के उत्पादन और प्रेषण के विषय को छोड़ कर, विखण्डित करती है ।

[सं० फा० एम० सी० (8) (38)/73]

**S.O. 125(E)/ESS.COMM./Iron & Steel.**—In exercise of the powers conferred by Clause 17B of the Iron and Steel (Control) Order, 1956 and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Heavy Engineering No. S.O. 1579/ESS.COMM./Iron & Steel, dated the 14th April, 1971, the Central Government hereby abolishes the Billet Re-rollers Committee set up under the said notification with immediate effect and on such abolition.—

- (a) the prices, if any, fixed by the said Committee for re-rolled products shall be of no effect;
- (b) the funds and other assets of the said Committee shall stand transferred to the Joint Plant Committee set up under Clause 17B of the Iron and Steel (Control) Order, 1956; and
- (c) all amounts payable by Re-rollers to the Billet Re-rollers Committee in respect of any period prior to the date of this notification shall be payable to the Joint Plant Committee.

2. Nothing herein contained shall affect orders of allocation of billets and re-rolled products made by the said Committee before the date of this notification.

[No. F. SC(III)-8(38)/73]

V. K. DAR, Jt. Secy.

का० आ० 125 (अ)/आ० व०/लोहा और इस्पात.—केन्द्रीय सरकार, लोहा और इस्पात (नियंत्रण) आदेश, 1956 के खण्ड 17ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और भारी इंजीनियरी मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1579/आ० व०/लोहा तथा इस्पात तारीख, 14 अप्रैल, 1971 को अधिकृत करते हुए, बायलेट पुनर्वेल्लन समिति को जो उक्त अधिसूचना के अधीन बनाई गई थी, तुरन्त उत्पादित करती है, और ऐसे उत्पादन पर, —

- (क) उक्त समिति द्वारा पुनः बेलित किए गए उत्पादों के लिए नियत की गई कीमतें का, यदि कोई हों, कोई प्रभाव नहीं होगा ;
- (ख) उक्त समिति की निधियां और अन्य आस्तियां, लोहा और इस्पात (नियंत्रण) आदेश, 1956 के खण्ड 17ख के अधीन बनाई गई संयुक्त संयंत्र समिति के अन्तर्गत हो जाएंगी ; तथा
- (ग) इस अधिसूचना की तारीख से पूर्व की किसी अवधि की बाबत पुनः बेलित करने वालों द्वारा बायलेट पुनर्वेल्लन समिति को सदेय सभी रकमों संयुक्त संयंत्र समिति को सदेय होंगी ।

2. इसमें अन्तर्विष्ट कोई भी बात उक्त समिति द्वारा, इस अधिसूचना से पूर्व किए गए विलेट और पुनर्वेल्लन किए गए उत्पादों के आवंटन आदेशों पर प्रभाव नहीं डालेगी ।

[सं० का० एस्० सी० (3)-8(38)/73]

वी० के० दर, संयुक्त सचिव ।